a very very difficult area and our engineers are doing a very fine job of work in trying to control the rivers In many places, they have done very successful and remarkable work

श्री रघुनाथ सिंह मै जानना चाहता हू कि जो अल्टर्नेट रूट सजैस्ट की गई है उस में और जो मौजूदा रूट है, उस के माइलेज मे क्या फर्क होगा ?

श्री शाहनवाज़ खां जो इस की तफसील है वह अभी वर्क आउट नही की गई है, लेकिन साथ वाला जो नया रूट है, वह गालिबन थोडा कम होगा ।

Shri Barman: In view of the fact that the Committee has given a definite opinion that it is not possible to ensure absolute stability of the present route, and the majority have suggested an alternate southerly route, may I know whether, in consideration of the difficulties that the eastern region is experiencing, Government are coming to a final decision to obviate the difficulties as early as possible? How long are Government going to brood over this matter?

Shri Shahnawaz Khan: The difficulties experienced by the eastern region are well known, and Government fully sympathise with them But I may submit construction of fairly long lines stretching over hundreds of miles cannot be done very quickly, especially when we are short of funds We do not have the means I might add that this route would involve construction of at least three or four major bridges

Shri A C. Guha: May I know the total expenditure incurred during these years for repair of damages, and also the approximate estimate of cost of the new alignment?

Shri Shahnawaz Khan. This year the expenditure has not been very great

Shri A. C. Guha: The total expenditure incurred during all these years for repairs

Shri Shahnawaz Khan: I do not have the figures

Shri Barman: Last time, when the link was constructed, the public were not consulted and the opinion of those who consulted was not accepted because it was thought that experts knew better May I ask whether this time before deciding upon the new alignment of the southerly route, Government will consult local public opinion?

Shri Shahnawaz Khan: The construction of railway lines and bridges is a very technical job We will certainly welcome public co-operation to the extent we need it

Railway Workshop, Jodhpur

*172. **Shri M. D. Mathur:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state

(a) the strength of labour employed in Jodhpur Railway Workshop, year-wise, from 1951 to 1957 so far;

(b) whether Government have any scheme to extend this workshop, and

(c) if so, how much additional labour it will absorb?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a)

Year (as on)	*Strength of labour employed*
1-4-1951	1,975
1-4-1952	1,980
1-4-1953	2,030
1-4-1954	2,100
1-4-1955	2,190
1-4-1956	2,460
1-4-1957	2,780

(b) No

(c) Does not arise

Shri M. D. Mathur: In view of the fact that there is a shortage of everything in the railways, why should not the Jodhpur Railway Workshop be expanded to meet the demands of the metre gauge railways?

Shri Shahnawaz Khan: We are expanding the Bikaner Workshop which is quite close, and that will serve our purpose without resorting to expansion of the Jodhpur Workshop.

Shri H. C. Mathur: Is it not a fact that the Bikaner Workshop is intended only for wagon construction, while the Jodhpur Workshop is specialised for carriage construction?

Shri Shahnawaz Khan: Both of them are serving the purpose, and there is no need for expansion of the Jodhpur Workshop

Shri A. C. Guha: Is there any proposal to nationalise these light railways?

रेलवे भ्रष्टाचार जांच समिति की रिपोर्ट

*१७४ **श्री भक्त दर्शन** क्या रेलवे मंत्री २८ मई १९५७ के तारांकित प्रश्न संख्या ५२० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) रेलवे भ्रष्टाचार जांच समिति की शेष सिफारिशों पर इस बीच क्या निर्णय किया गया है, और

(ख) उस समिति की जो सिफारिशें पहले स्वीकार कर ली गई थी उन्हें क्रियान्वित करने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) (क) इन पर अभी विचार किया जा रहा है ।

(ख) इस सिलसिले में क्या प्रगति (progress) हुई है, इस का ठीक-ठीक अन्दाजा लगाना मुश्किल है ।

श्री भक्त दर्शन क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आई है कि इस समिति के प्रतिवेदन के बाद भी, यानी पिछले दो वर्षों के अन्दर, रेलवे में भ्रष्टाचार की मात्रा में कमी नहीं हुई है, बल्कि वृद्धि हुई है ? क्या गवर्नमेंट इस की रोक थाम के लिये किसी बड़े उपाय का अवलम्बन करना चाहती है ?

Shri S. N. Dwivedy: Another committee will be appointed !

श्री शाहनवाज़ खां मैं इस बात से तो इत्तफाक नहीं करता हूं कि भ्रष्टाचार में ज्यादती हुई है । बहर हाल जहां-जहां भ्रष्टाचार के केसेज गवर्नमेंट की नजर में आते हैं, उन में बड़ी मजबूती के साथ बर्ताव किया जाता है ।

श्री भक्त दर्शन : समिति ने अपनी सिफारिश संख्या ७६ में यह सुझाव दिया था कि अब तक अधिकारियों को जो दंड देने की प्रथा है वह बहुत ही शिथिल है, और इन शब्दों का प्रयोग किया गया था "The punishment must be swift and deterrent" मैं जानना चाहता हूं कि इन दो वर्षों में कितने अधिकारियों पर मुकदमे चलाये गये और कितनों को सजा दी गई ?

श्री शाहनवाज़ खां इस के आंकड़े इस वक्त मेरे पास मौजूद नहीं हैं । अगर आनरेबल मेम्बर चाहते हैं तो मैं उन को बाद में दे सकता हूं ।

श्री म० ला० द्विवेदी मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस रेलवे करप्शन इन्क्वायरी कमेटी रिपोर्ट को आये हुए कितने महीने हो चुके हैं और अभी इस पर विचार कर के इस को कार्यान्वित करने की दिशा में प्रगति करने में कितने दिन और लगेंगे ?

श्री शाहनवाज़ खां ऐसी बात नहीं है कि जो रेलवे करप्शन इन्क्वायरी रिपोर्ट है वह अभी धरी हुई है और उस पर विचार नहीं हो रहा है । जो उस की ज्यादातर सिफ़ारिशात थीं उन की बहुत बड़ी अक्सरियत को मंजूर कर के उन पर अमल जारी है ।